नव नालन्दा महाविहार, नालन्दा

(सम विश्वविद्यालय)

नालन्दा– 803111, बिहार, भारत

एम. ए. (हिन्दी) पाठ्यक्रम

एम. ए. हिन्दी में कुल 16 पत्र होंगे। प्रत्येक पत्र 100 अंकों का होगा जिसमें आंतरिक मूल्यांकन के लिए 25 अंक एवं लिखित परीक्षा के लिए 75 अंक निर्धारित होंगे। आंतरिक मूल्यांकन एवं लिखित परीक्षा में अगल–अलग उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

चार अधिसत्रों में कुल 16 पत्रों की परीक्षा होगी। प्रत्येक अधिसत्र छः महीने का होगा एवं प्रत्येक अधिसत्र के अंत में चार पत्रों की परीक्षा होगी। चारों अधिसत्र के कुल अंकों के आधार पर परीक्षाफल घोषित किया जाएगा।

प्रथम अधिसत्र

पहला पत्र	:	हिन्दी भाषाः उद्‌भव एवं विकास
दूसरा पत्र	:	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदि एवं मध्यकाल)
तीसरा पत्र	:	आदि एवं मध्यकालीन काव्य
चौथा पत्र	:	बौद्ध धर्म – दर्शन और हिन्दी साहित्य

द्वितीय अधिसत्र

पाँचवाँ पत्र	:	भाषा विज्ञान
छठा पत्र	:	आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास
सातवाँ पत्र	:	मध्यकालीन काव्य
आठवाँ पत्र	:	भारतीय साहित्य

तृतीय अधिसत्र

नौवाँ पत्र	:	हिन्दी गद्य का इतिहास
दसवाँ पत्र	:	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र
ग्यारहवाँ पत्र	:	आधुनिक हिन्दी काव्य
बारहवाँ पत्र	:	हिन्दी कथा साहित्य

चतुर्थ अधिसत्र

तेरहवाँ पत्र	:	प्रथम विकल्प : तुलसीदास
चौदहवाँ पत्र	:	प्रथम विकल्प : प्रयोजन मूलक हिन्दी
पंद्रहवाँ पत्र	:	हिन्दी नाटक और रंगमंच
सोलहवाँ पत्र	:	हिन्दी साहित्य और बिहार

स्नातकोत्तर हिन्दी–विभाग

एम॰ ए॰ (हिन्दी) पाठ्यक्रम

पहला पत्र

हिन्दी भाषाः उद्‌भव एवं विकास

आंतरिक मूल्यांकन : 25

पूर्णांक : 75

समय : 3 घंटे

यह पत्र पाँच खंडो में विभक्त होगा। प्रत्येक खंड से 15 अंक के प्रश्न पूछे जाएंगे। खंड (क) से (घ) तक प्रत्येक खंड से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। खंड (ड़) में 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे और प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा।

खंड (क) हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएं, वैदिक और लौकिक संस्कृत, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएं – पालि, प्राकृत, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ।

खंड (ख) हिन्दी का भौगोलिक विस्तार, हिन्दी की उपभाषाएं, पश्चिमी हिन्दी एवं पूर्वी हिन्दी, ब्रज एवं अवधी की विशेषाताएँ; साहित्यिक भाषा के रूप में ब्रज एवं अवधी का विकास।

खंड (ग) साहित्यिक भाषा के रूप में खड़ी बोली का विक़ास, खड़ी बोली की विशेषताएं, स्वाधीनता आंदोलन और हिन्दी का राष्ट्रभाषा के रूप में विकास, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति एवं सरकार की ओर से किये गए प्रयास।

खंड (घ) हिन्दी के विविध रूप– सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, देवनागरी लिपि का विकास, देवनागरी के दोष, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता।

खंड (ड़) ऊपर दिये गए पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न।

सहायक ग्रंथ –

1. हिन्दी भाषा का उद्‌गम और विकास – डॉ॰ उदयनारायण तिवारी
2. हिन्दी भाषा का विकास – आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा
3. हिन्दी भाषा – डॉ॰ भोलानाथ तिवारी
4. हिन्दी : उद्‌भव, विकास और रूप – डॉ॰ हरदेव बाहरी
5. राष्ट्रभाषा हिन्दी : समस्याएँ एवं समाधान – आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा
6. भाषा और समाज – रामविलास शर्मा
7. भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा के विकास की परम्परा – रामविलास शर्मा
8. देवनागरी लिपि और हिन्दी वर्तनी – डॉ॰ अनंत चौधरी
9. भारतीय आर्यभाषा और हिन्दी – डॉ॰ सुनीति कुमार चटर्जी

स्नातकोत्तर हिन्दी–विभाग

एम॰ ए॰ (हिन्दी) पाठ्यक्रम

दूसरा पत्र

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदि एवं मध्यकाल)

आंतरिक मूल्यांकन : 25

पूर्णांक : 75

समय : 3 घंटे

यह पत्र पाँच खंडो में विभक्त होगा। प्रत्येक खंड से 15 अंक के प्रश्न पूछे जाएंगे। खंड (क) से (घ) तक प्रत्येक खंड से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। खंड (ड़) में 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे और प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा।

खंड (क) हिन्दी साहित्य का इतिहास : पुनर्लेखन की समस्याएँ, हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परम्परा, काल–विभाजन एवं नामकरण,

आदिकाल– नामकरण एवं प्रवृत्तियाँ, आदिकालीन साहित्य– सिद्ध साहित्य, जैन साहित्य, नाथ साहित्य, रासो साहित्य, और लौकिक साहित्य।

खंड (ख) निर्गुण भक्तिकाव्य काव्य– संत काव्य– प्रमुख कवि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, सूफी काव्य– प्रमुख कवि एवं प्रवृत्तियाँ।

खंड (ग) सगुण भक्ति– कृष्ण काव्य के प्रमुख कवि एवं मुख्य प्रवृत्तियाँ, राम काव्य के प्रमुख कवि एवं प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

खंड (घ) रीतिकाल : नामकरण, मुख्य प्रवृत्तियाँ, रीतिबद्ध और रीति मुक्त काव्य और इसके प्रमुख कवि।

खंड (ड़) ऊपर दिये गए पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न।

सहायक ग्रंथ –

1. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. साहित्य का इतिहास–दर्शन – नलिन विलोचन शर्मा
3. साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पांडेय
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
5. हिन्दी साहित्य की भूमिका – हजारी प्रसाद द्विवेदी
6. हिन्दी साहित्य : उद्‌भव एवं विकास – हजारीप्रसाद द्विवेदी
7. हिन्दी साहित्य का इतिहास – सं॰ डॉ॰ नगेन्द्र
8. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – राम स्वरूप चतुर्वेदी
9. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – रामकुमार वर्मा
10. सिद्ध साहित्य – धर्मवीर भारती
11. हिन्दी साहित्यः बीसवीं शताब्दी – आचार्य नंददुलारे वाजपेयी

स्नातकोत्तर हिन्दी–विभाग

एम॰ ए॰ (हिन्दी) पाठ्यक्रम

तीसरा पत्र

आदि एवं मध्यकालीन काव्य

आंतरिक मूल्यांकन : 25

पूर्णांक : 75

समय : 3 घंटे

यह पत्र पाँच खंडो में विभक्त होगा। प्रत्येक खंड से 15 अंक के प्रश्न पूछे जाएंगे। खंड (क) से (घ) तक प्रत्येक खंड से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। खंड (ड़) में 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे और प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा।

खंड (क) 1. **दोहाकोश–संपादक राहुल सांकृत्यायन**

2. **विद्यापति पदावली सं॰ वीरेन्द्र श्रीवास्तव**

खंड (ख) 1. **कबीर ग्रंथावली सं॰ श्याम सुंदर दास**

1. गुरूदेव को अंग : 2, 7, 11, 34
2. सुमिरन को अंग : 2, 8, 13, 34
3. विरह को अंगः 6, 12, 22, 25
4. परचा को अंग : 7, 11, 15, 23
5. माथा को अंग : 1, 2, 12, 13
6. सबद को अंग : 1, 4, 5, 7

2. जायसी : पद्मावत, सं॰ वासुदेवशरण अग्रवाल (केवल नागमति वियोग खंड)

खंड (ग) 1. **विनय पत्रिका– तुलसीदास**

पद सं. 1, 5, 101, 102, 105, 174

2. मीरा पदावली, सं॰ आचार्य परशुराम चतुर्वेदी।

खंड (घ) 1. विनय पत्रिका (1, 5, 101, 102, 105, 174) व्याख्या

2. पद्मावत (नाममति वियोग खंड से) व्याख्या

खंड (ड़) **ऊपर दिये गए पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न।**

सहायक ग्रंथ –

1. दोहाकोश की भूमिका – राहुल सांकृत्यायन
2. विद्यापति काव्य लोक – सं॰ नागेन्द्र नाथ दास
3. विद्यापति – शिव प्रसाद सिंह
4. कबीर – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. कबीर साहित्य की परख – पं॰ परशुराम चतुर्वेदी
6. जायसी – विजयदेव नारायण साही
7. जायसी ग्रंथावली की भूमिका – आचार्य शुक्ल
8. मीरा का काव्य – विश्वनाथ त्रिपाठी

स्नातकोत्तर हिन्दी–विभाग

एम॰ ए॰ (हिन्दी) पाठ्यक्रम

चौथा पत्र

बौद्ध धर्म – दर्शन और हिन्दी साहित्य

आंतरिक मूल्यांकन : 25

पूर्णांक : 75

समय : 3 घंटे

यह पत्र पाँच खंडो में विभक्त होगा। प्रत्येक खंड से 15 अंक के प्रश्न पूछे जाएंगे। खंड (क) से (घ) तक प्रत्येक खंड से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। खंड (ड़) में 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे और प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा।

खंड (क) बौद्ध धर्म के प्रमुख सिद्वांत, चार आर्य सत्य, अष्टांगिक मार्ग।

खंड (ख) सिद्ध साहित्य और बौद्ध धर्म, संत साहित्य और बौद्ध धर्म।

खंड (ग) बौद्ध धर्म और हिन्दी कविता– आदिकाल, भक्तिकाल, आधुनिक काल।

खंड (घ) बौद्ध धर्म और हिन्दी उपन्यास, बौद्ध धर्म और हिन्दी कहानी बौद्ध धर्म और हिन्दी नाटक।

खंड (ड़) ऊपर दिये गए पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न।

सहायक ग्रंथ –

1. सिद्ध साहित्य – धर्मवीर भारती
2. हिन्दी साहित्य और बौद्ध धर्म – राजेश शर्मा
3. हिन्दी संत साहित्य पर बौद्ध धर्म का प्रभाव – विद्यावती मालविका
4. हिन्दी के मध्ययुगीन साहित्य पर बौद्ध धर्म का प्रभाव – सरला त्रिगुणायत
5. पुरातत्त्व निबंधावली – राहुल सांकृत्यायन
6. दर्शन – दिग्दर्शन – राहुल सांकृत्यायन
7. बौद्ध साधना और दर्शन – डॉ॰ व्रजमोहन पांडेय 'नलिन'।

स्नातकोत्तर हिन्दी–विभाग

एम॰ ए॰ (हिन्दी) पाठ्यक्रम

पाँचवाँ पत्र

भाषा विज्ञान

आंतरिक मूल्यांकन : 25

पूर्णांक : 75

समय : 3 घंटे

यह पत्र पाँच खंडो में विभक्त होगा। प्रत्येक खंड से 15 अंक के प्रश्न पूछे जाएंगे। खंड (क) से (घ) तक प्रत्येक खंड से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। खंड (ड़) में 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे और प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा।

खंड (क) भाषा की परिभाषा, भाषा और बोली में अंतर, भाषा–उत्पत्ति के सिद्धांत, भाषा–विज्ञान की शाखाएँ, भाषा की विशेषताएँ।

खंड (ख) संसार की भाषाएँ एवं उनका वर्गीकरण तथा उनमें हिन्दी का स्थान, भाषा–परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ।

खंड (ग) ध्वनि–परिर्वतन के कारण एवं दिशाएँ।

खंड (घ) अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ।

खंड (ड़) ऊपर दिये गए पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न।

सहायक ग्रंथ–

1. भाषा विज्ञान– डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. भाषा विज्ञान की भूमिका– आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा
3. सामान्य भाषा विज्ञान– बाबूराम सक्सेना
4. अभिनव भाषा विज्ञान– उदयनारायण तिवारी
5. ध्वनि–परिवर्तन की दिशाएँ– बलराम तिवारी
6. रूप–विज्ञान– डॉ. लक्ष्मण प्रसाद सिन्हा
7. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत– डॉ. राम किशोर शर्मा

स्नातकोत्तर हिन्दी–विभाग

एम॰ ए॰ (हिन्दी) पाठ्यक्रम

छठा पत्र

आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास

आंतरिक मूल्यांकन : 25

पूर्णांक : 75

समय : 3 घंटे

यह पत्र पाँच खंडो में विभक्त होगा। प्रत्येक खंड से 15 अंक के प्रश्न पूछे जाएंगे। खंड (क) से (घ) तक प्रत्येक खंड से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। खंड (ड़) में 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे और प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा।

खंड (क) भारतेन्दु युग के प्रमुख कवि, भारतेन्दु युगीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ हिन्दी युग के प्रमुख कवि, द्विवेदी युग की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

खंड (ख) छायावाद के प्रमुख कवि, छायावाद की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, उत्तर छायावाद के प्रमुख कवि एवं प्रमुख प्रवृत्तियाँ

खंड (ग) प्रगतिवाद के प्रमुख कवि, प्रगतिवाद की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रयोगवाद के प्रमुख कवि, प्रगतिवाद की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

खंड (घ) नई कविता के प्रमुख कवि, नई कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, समकालीन कविता के प्रमुख कवि, समकालीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

खंड (ड़) ऊपर दिये गए पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न।

सहायक ग्रंथ –

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास– डॉ. नगेन्द्र
2. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास– डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
3. छायावाद– डॉ. नामवर सिंह
4. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ– डॉ. नामवर सिंह
5. आधुनिक हिन्दी कविता– डॉ. नंदकिशोर नवल
6. नई कविता : स्वरूप और समस्याएँ– डॉ. जगदीश गुप्त
7. नई कविता आंदोलन और परिमल– डॉ. हरेकृष्ण तिवारी

स्नातकोत्तर हिन्दी–विभाग

एम॰ ए॰ (हिन्दी) पाठ्यक्रम

सातवाँ पत्र

मध्यकालीन काव्य

आंतरिक मूल्यांकन : 25

पूर्णांक : 75

समय : 3 घंटे

यह पत्र पाँच खंडो में विभक्त होगा। प्रत्येक खंड से 15 अंक के प्रश्न पूछे जाएंगे। खंड (क) से (घ) तक प्रत्येक खंड से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। खंड (ड़) में 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे और प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा।

खंड (क) सूरसागर सार : संपादक– डॉ. धीरेन्द्र वर्मा

विनय तथा भक्ति के पद (पद सं.– 1, 10, 14, 22, 23, 24, 25)

गोकुल लीला (पद सं. 7, 18, 20, 26, 33, 35)

उद्धव संदेश (पद सं. 4, 62, 65, 69, 80, 95, 96)

खंड (ख) कवितावली (उत्तरकांड)– तुलसीदास

खंड (ग) बिहारी बोधिनी (सं. लाला भगवानदीन)

दोहा सं. 1, 2, 4, 11, 18, 19, 21, 23, 50, 62, 82, 91, 102, 113, 118)

खंड (घ) घनानन्द कवित्त : प्रथम शतक (संपादक : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र)

(पद सं.) 1, 2, 3, 13, 14, 15, 16, 23, 29, 43)

खंड (ड़) ऊपर दिये गए पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न।

सहायक ग्रंथ –

1. सूरदास– आचार्य रामचंद शुक्ल
2. सूरदास– डॉ. हरवंशलाल शर्मा
3. तुलसीदास– आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
4. तुलसीदास– सं. उदयभानु सिंह
5. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य– मैनेजर पांडेय
6. बिहारी का नया मूल्यांकन– बच्चन सिंह
7. बिहारी– साहित्य अकादमी
8. घनानन्द– साहित्य अकादमी।

स्नातकोत्तर हिन्दी–विभाग

एम॰ ए॰ (हिन्दी) पाठ्यक्रम

आठवाँ पत्र

भारतीय साहित्य

आंतरिक मूल्यांकन : 25

पूर्णांक : 75

समय : 3 घंटे

यह पत्र पाँच खंडो में विभक्त होगा। प्रत्येक खंड से 15 अंक के प्रश्न पूछे जाएंगे। खंड (क) से (घ) तक प्रत्येक खंड से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। खंड (ड़) में 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे और प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा।

खंड (क) संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास

खंड (ख) बौद्ध साहित्य का संक्षिप्त इतिहास

खंड (ग) उर्दू साहित्य का संक्षिप्त इतिहास

खंड (घ) दलित साहित्य का संक्षिप्त इतिहास

खंड (ड़) ऊपर दिये गए पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न।

सहायक ग्रंथ–

1. भारतीय साहित्य– डॉ. नगेन्द्र
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास– डॉ. बलदेव उपाध्याय
3. भारतीय साहित्य का इतिहास– सं. विंटरनित्य
4. बौद्ध धर्म के पच्चीस सौ वर्ष– वी. पी. वापट
5. उर्दू साहित्य का इतिहास– एहतेशाम हुसैन
6. भारतीय भाषाओं के साहित्य का संक्षिप्त इतिहास– केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, नई दिल्ली
7. भारतीय साहित्य का पहचान– डॉ. सियाराम तिवारी
8. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र– अनु. रमाणिका गुप्ता
9. भारतीय दलित साहित्य : परिप्रेक्ष्य– पुन्नीसिंह, कमला प्रसाद
10. दलित चेतना की पहचान– सं. सूर्य नारायण रणसुभे
11. दलित साहित्य बुनियादी सरोकार– कृष्ण दत्त पालीवाल।

स्नातकोत्तर हिन्दी–विभाग

एम॰ ए॰ (हिन्दी) पाठ्यक्रम

नौवाँ पत्र

हिन्दी गद्य का इतिहास

आंतरिक मूल्यांकन : 25

पूर्णांक : 75

समय : 3 घंटे

यह पत्र पाँच खंडो में विभक्त होगा। प्रत्येक खंड से 15 अंक के प्रश्न पूछे जाएंगे। खंड (क) से (घ) तक प्रत्येक खंड से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। खंड (ड़) में 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे और प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा।

खंड (क) हिन्दी नाटक : उद्‌भव एवं विकास; हिन्दी के प्रमुख नाटककार एवं उनकी रचनाएँ।

खंड (ख) हिन्दी उपन्यास : उद्‌भव एवं विकास; हिन्दी के प्रमुख उपन्यासकार एवं उनके प्रसिद्ध उपन्यास।

खंड (ग) हिन्दी कहानी : उद्‌भव एवं विकास; हिन्दी के प्रमुख कहानीकार एवं उनकी कहानियाँ।

खंड (घ) हिन्दी आलोचना : उद्‌भव एवं विकास; हिन्दी के प्रमुख आलोचक – आचार्य शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. नगेन्द्र, रामविलास शर्मा, डॉ. नामवर सिंह, हिन्दी निबंध : उद्‌भव एवं विकास।

खंड (ड़) ऊपर दिये गए पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न।

सहायक ग्रंथ–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास– डॉ. नगेन्द्र
2. हिन्दी गद्य का विकास– डॉ. रामचंद्र तिवारी
3. हिन्दी साहित्य एवं संवेदना का विकास– डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
4. हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा– डॉ. रामदरश मिश्र
5. हिन्दी आलोचना का विकास– डॉ. नंदकिशोर नवल
6. हिन्दी गद्य : उद्‌भव एवं विकास– विजयेन्द्र स्नातक

स्नातकोत्तर हिन्दी–विभाग

एम॰ ए॰ (हिन्दी) पाठ्यक्रम

दसवाँ पत्र

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

आंतरिक मूल्यांकन : 25

पूर्णांक : 75

समय : 3 घंटे

यह पत्र पाँच खंडो में विभक्त होगा। प्रत्येक खंड से 15 अंक के प्रश्न पूछे जाएंगे। खंड (क) से (घ) तक प्रत्येक खंड से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। खंड (ड़) में 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे और प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा।

खंड (क) काव्य लक्षण; काव्य हेतु; काव्य–प्रयोजन।

खंड (ख) रस की परिभाषा, रस का स्वरूप, रस–निष्पत्ति, रस–सूत्र की व्याख्या, रस का साधारणीकरण, रस के निष्पादक तत्त्व।

खंड (ग) शब्द–शक्ति–अभिद्या, लक्षणा, व्यंजना; काव्य–दोष; काव्य–गुण प्रमुख काव्य–सम्प्रदाय–रस, अलंकार, ध्वनि, रीति, वक्रोक्ति, औचित्य।

खंड (घ) (i) प्रमुख अलंकार–यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, दृष्टांत, प्रमुख छंद– दोहा, चौपाई, सोरठा, सवैया, कवित्त, हरिगीतिका ।

(ii) अरस्तु का अनुकरण– सिद्धांत; लॉनजाइनस का उदात्त सिद्धांत; आई ए. रिचर्ड्स का मूल्य–सिद्धांत : क्रोचे का अभिव्यंजनावाद।

खंड (ड़) ऊपर दिये गए पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न।

सहायक ग्रंथ –

1. रस–सिद्धांत – डॉ. नगेन्द्र
2. रस–मीमांसा – आचार्य शुक्ल
3. काव्य के तत्त्व – आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा
4. अलंकार मुक्तावली – आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा
5. भारतीय काव्य–चिंतन – डॉ. शोभाकान्त मिश्र
6. पाश्चात्य काव्य शास्त्र – आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा
7. पाश्चात्य काव्य–चिन्तन – डॉ. शोभाकान्त मिश्र

स्नातकोत्तर हिन्दी–विभाग

एम॰ ए॰ (हिन्दी) पाठ्यक्रम

ग्यारहवाँ पत्र

आधुनिक हिन्दी काव्य

आंतरिक मूल्यांकन : 25

पूर्णांक : 75

समय : 3 घंटे

यह पत्र पाँच खंडो में विभक्त होगा। प्रत्येक खंड से 15 अंक के प्रश्न पूछे जाएंगे। खंड (क) से (घ) तक प्रत्येक खंड से दो आलोचनात्मक /व्याख्यात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। खंड (ड़) में 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे और प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा।

खंड (क) यशोधरा – मैथिलीशरण गुप्त

खंड (ख) कामायनी – जयशंकर प्रसाद (केवल चिंता, श्रद्धा और लज्जा सर्ग)

खंड (ग) राग – विराग – सं. रामविलास शर्मा (क़ेवल 'राम की शक्ति पूजा', 'सरोज स्मृति' एवं 'वह तोड़ती पत्थर' शीर्षक
कविताएँ)

खंड (घ) उर्वशी (तृतीय अंक)– दिनकर

खंड (ड़) ऊपर दिये गए पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न।

सहायक ग्रंथ –

1. कामायनी : एक पुनर्विचार – मुक्तिबोध
2. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ – डॉ. नगेन्द्र
3. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
4. प्रसाद का काव्य – डॉ. प्रेमशंकर
5. निराला : कृति से साक्षात्कार – डॉ. नंदकिशोर नवल
6. उर्वशी : विचार एवं विश्लेषण – डॉ. वचनदेव कुमार

स्नातकोत्तर हिन्दी–विभाग

एम॰ ए॰ (हिन्दी) पाठ्यक्रम

बारहवाँ पत्र

हिन्दी कथा साहित्य

आंतरिक मूल्यांकन : 25

पूर्णांक : 75

समय : 3 घंटे

यह पत्र पाँच खंडो में विभक्त होगा। प्रत्येक खंड से 15 अंक के प्रश्न पूछे जाएंगे। खंड (क) से (घ) तक प्रत्येक खंड से दो प्रश्न आलोचनात्मक/व्याख्यात्मक पूछे जाएंगे जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। खंड (ड़) में 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे और प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा।

खंड (क) गोदान – प्रेमचंद

खंड (ख) शेखर एक जीवनी (भाग – 1) – अज्ञेय

खंड (ग) मैला आँचल – फणीश्वरनाथ रेणु

खंड (घ) एक दुनिया समानांतर– सं. राजेन्द्र यादव (केवल निम्नलिखित कहानियाँ – जिंदगी और जोंक, परिन्दे, चीफ की दावत)

खंड (ड़) ऊपर दिये गए पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न।

सहायक ग्रंथ–

1. हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा – डॉ. रामदरश मिश्र
2. हिन्दी उपन्यास साहित्य का इतिहास – डॉ. गोपाल राय
3. गोदान : नया परिप्रेक्ष्य – गोपाल राय
4. गोदान का महत्त्व – डॉ. सत्यप्रकाश मिश्र
5. शेखर एक जीवनी – डॉ. गोपाल राय
6. फणीश्वरनाथ रेणु और मैला आँचल – डॉ. गोपाल राय
7. नई कहानी : संवेदना और शिल्प – राजेन्द्र यादव
8. कहानी : नई कहानी – डॉ. नामवर सिंह

स्नातकोत्तर हिन्दी–विभाग
एम॰ ए॰ (हिन्दी) पाठ्यक्रम

तेरहवाँ पत्र

प्रथम विकल्प : तुलसीदास

आंतरिक मूल्यांकन : 25

पूर्णांक : 75

समय : 3 घंटे

यह पत्र पाँच खंडो में विभक्त होगा। प्रत्येक खंड से 15 अंक के प्रश्न पूछे जाएंगे। खंड (क) से (घ) तक प्रत्येक खंड से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। खंड (ड़) में 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे और प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा।

खंड (क) तुलसीदास का जीवन वृत्त, तुलसीदास की समन्वय भावना, तुलसीदास की लोकमंगल की भावना

खंड (ख) तुलसीदास का मर्यादावाद, सामाजिक चेतना, तुलीदास की भक्ति–भावना

खंड (ग) रामचरितमानस (अयोध्याकांड)

खंड (घ) (1) विनयपत्रिका (पद स. 101 से अंत तक)

(2) कवितावली (केवल उत्तरकांड)

खंड (ड़) ऊपर के पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएगे।

सहायक ग्रंथ :

1. तुलसीदास – रामचंद्र शुक्ल
2. तुलसीदास – उदयभानु सिंह
3. तुलसीदास और उनका युग – राजपति दीक्षित
4. लोकहितवादी तुलसी – विश्वनाथ त्रिपाठी
5. तुलसीदास – डॉ. रामजी तिवारी

स्नातकोत्तर हिन्दी–विभाग
एम॰ ए॰ (हिन्दी) पाठ्यक्रम

चौदहवाँ पत्र

प्रथम विकल्प : प्रयोजन मूलक हिन्दी

आंतरिक मूल्यांकन : 25

पूर्णांक : 75

समय : 3 घंटे

यह पत्र पाँच खंडो में विभक्त होगा। प्रत्येक खंड से 15 अंक के प्रश्न पूछे जाएंगे। खंड (क) से (घ) तक प्रत्येक खंड से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। खंड (ड़) में 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे और प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा।

खंड (क) प्रयोजनमूलक हिन्दी : विविध स्वरुप, व्यवहार क्षेत्र, संक्षेपण, टिप्पण, प्रारुपण, अध्यादेश

खंड (ख) जनसंचार के विविध रुप–विज्ञप्ति, विज्ञापन, अनुस्मारक, पल्लवन, प्रतिवेदन

खंड (ग) संपादन कला एवं संपादक के गुण, संपादन के आधारभूत तत्त्व, संपादकीय लेखन, बैंको में हिन्दी का प्रयोग

खंड (घ) अनुवाद : स्वरूप एवं प्रविधि, अनुवाद के प्रकार, अनुवाद की समस्याएँ

खंड (ड़) ऊपर के पाठ्यक्रम के आधार पर वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे।

सहायक ग्रंथः

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी – बालेन्दुशेखर तिवारी
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी : संरचना एवं अनुप्रयोग – डॉ. रामप्रकाश एवं डॉ. दिनेश गुप्त
3. अनुवाद कला : सिद्धांत और प्रयोग – कैलाशचंद्र भाटिया
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी – सं. – वीरेन्द्र श्रीवास्तव

स्नातकोत्तर हिन्दी–विभाग
एम॰ ए॰ (हिन्दी) पाठ्यक्रम

पन्द्रहवाँ पत्र

हिन्दी नाटक और रंगमंच

आंतरिक मूल्यांकन : 25

पूर्णांक : 75

समय : 3 घंटे

यह पत्र पाँच खंडो में विभक्त होगा। प्रत्येक खंड से 15 अंक के प्रश्न पूछे जाएंगे। खंड (क) से (घ) तक प्रत्येक खंड से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। खंड (ड़) में 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे और प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा।

खंड (क) हिन्दी नाटक; उद्‌भव और विकास, भारतीय एवं पाश्चात्य नाट्य सिद्धांत, हिंदी नाटक के तत्त्व, हिन्दी नाटक और रंगमंच का अंत; संबंध, हिन्दी के एबसर्ड नाटक

खंड (ख) स्कंदगुप्त – जयशंकर प्रसाद

खंड (ग) आषाढ़ का एक दिन – मोहन राकेश

खंड (घ) बकरी – सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

खंड (ड़) ऊपर दिये गये पाठयक्रम के आधार पर वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे

सहायक ग्रंथः

1. हिन्दी नाटक : उद्‌भव और विकास – दशरथ ओझा
2. प्रसाद के नाटक – सिद्धनाथ कुमार
3. मोहन राकेश और उनके नाटक – गिरीश रस्तोगी
4. हिन्दी नाटकः सिद्धांत और विवेचन – गिरीश रस्तोगी
5. हिन्दी नाटकः पुनर्मूल्यांकन – डॉ. सत्येन्द्र तनेजा

स्नातकोत्तर हिन्दी–विभाग
एम॰ ए॰ (हिन्दी) पाठ्यक्रम

सोलहवाँ पत्र

हिन्दी साहित्य और बिहार

आंतरिक मूल्यांकन : 25

पूर्णांक : 75

समय : 3 घंटे

यह पत्र पाँच खंडो में विभक्त होगा। प्रत्येक खंड से 15 अंक के प्रश्न पूछे जाएंगे। खंड (क) से (घ) तक प्रत्येक खंड से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किसी एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। खंड (ड़) में 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे और प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा।

खंड (क) हिन्दी कविता और बिहारः दिनकर, जानकी वल्लभ शास्त्री, नागार्जुन

खंड (ख) हिन्दी कथा साहित्य और बिहार – शिवपूजन सहाय, रामवृक्ष बेनीपुरी, रेणु

खंड (ग) हिन्दी आलोचना और बिहार – लक्ष्मीनारायण सुधांशु, नलिन विलोचनशर्मा, नंदकिशोर नवल

खंड (घ) हिन्दी गद्य और बिहार

खंड (ड़) ऊपर के पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएगे।

सहायक ग्रंथः

1. हिन्दी साहित्य और बिहार –सं. शिपूजन सहाय, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य शुक्ल
3. हिन्दी साहित्य – कोश, भाग एक और दो
4. आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास, डॉ. नंदकिशोर नवल
5. नलिन विलोचन शर्मा – गोपेश्वर सिंह